



आरती: श्री रामचन्द्र जी (Shri Ramchandra Ji: Arati kije Ramchandra ji ki lyrics)



॥ आरती: श्री रामचन्द्र जी ॥

आरती कीजै रामचन्द्र जी की।
हरि-हरि दुष्टदलन सीतापति जी की ॥

पहली आरती पुष्पन की माला।
काली नाग नाथ लाये गोपाला ॥

दूसरी आरती देवकी नन्दन।
भक्त उबारन कंस निकन्दन ॥

तीसरी आरती त्रिभुवन मोहे।
रत्न सिंहासन सीता रामजी सोहे ॥

चौथी आरती चहुं युग पूजा।
देव निरंजन स्वामी और न दूजा ॥

पांचवीं आरती राम को भावे।
रामजी का यश नामदेव जी गावें ॥

<<•• * ••>>

॥ Shri Ramchandra Ji ॥

Aarti ki Jai Ramchandra Ji Ki,
Hari-Hari Dusht Dalan Sita Pati Ji Ki ॥

First Aarti Pushpan Ki Mala,
Kali Naag Nath Laaye Gopala ॥

Second Aarti Devaki Nandan,
Bhakt Ubaran Kans Nikandan ॥

Third Aarti Tribhuvan Mohe,
Ratn Sinhasan Sita Ram Ji Sohe ॥

Fourth Aarti Chahu Yuga Pooja,
Dev Niranjana Swami Aur Na Duja ॥

Fifth Aarti Ram Ko Bhave,
Ram Ji Ka Yash Namdev Ji Gave ॥



Free download PDF of all types of mantra, stotram, vandana, arati:
chalisapdf.net